



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 168]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 3, 1986/चैत्र 13, 1908

No. 168]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 3, 1986/CHAITRA 13, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1986

अधिसूचना

सं. 244/186--केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

ना. का. नि. 579(अ).--केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :--

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (नौवां संशोधन) नियम, 1986 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
2. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 में,—
- (1) नियम 174 में विद्यमान दूसरे, तीसरे और चौथे परन्तुकों के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखे जाएंगे, अर्थात् :—
“परन्तु यह और कि निम्नलिखित से भिन्न कोई विनिर्माता, अर्थात् :—
(क) ऐसा विनिर्माता जिसे पहले किसी अवसर पर उमी माल के लिए अनुज्ञप्ति इन्कार कर दी गई है ;
(ख) तम्बाकू उत्पादों के विनिर्माता ; और
(ग) बियासलाइयों और बियासलाई-सिरी के सम्मिश्रण का विनिर्माता

ऐसे कारबार का संचालन करने के लिए जिसके लिए इन नियमों के अधीन अनुज्ञप्ति अपेक्षित है, अनुज्ञप्ति की मंजूरी या नवीकरण के लिए नियम 176 के अधीन आवेदन करता है, उक्त आवेदन के प्रस्तुत किए जाने के प्रमाणस्वरूप उचित अधिकारी से उसकी अतिस्वीकृति प्राप्त करने के पश्चात् तब तक अपना कारबार कर सकता है जब तक कि आवेदन की गई अनुज्ञप्ति के लिए इन्कार नहीं कर दिया जाता :

परन्तु यह भी कि उचित अधिकारी उक्त आबेदन की प्राप्ति की तारीख से साठ दिन की अवधि के भीतर इन नियमों के अनुसरण में अनुज्ञापत्र जारी करेगा या उससे इन्कार करेगा, और यदि आबेदित अनुज्ञप्ति से इन्कार साठ दिन की उक्त अवधि के भीतर विनिर्दिष्ट शर्तों और परिसीमाओं के अधीन—

(2) नियम 176 में,—

(i) उप-नियम (1) में, अन्त में निम्नलिखित परन्तुक अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड का यदि यह समाधान हो जाता है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है तो वह साधारण या विशेष आदेश द्वारा, और उस आदेश में विनिर्दिष्ट शर्तों और परिसीमाओं के अधीन—

(क) किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के प्रवर्ग को उस आदेश में यथाविनिर्दिष्ट प्ररूप में आबेदन करने की अनुज्ञा दे सकता है,

(ख) उक्त एक मास की अवधि को उस आदेश में यथाविनिर्दिष्ट अवधि तक बढ़ा सकता है।”

(ii) उप-नियम (2) का लोप किया जाएगा;

(3) नियम 178 के उप-नियम (3) में से निम्नलिखित शब्दों का लोप किया जाएगा, अर्थात् :—

“किन्तु यह मूल अनुज्ञप्ति के अंतर्गत सम्मिलित अवधि के शेष भाग के लिए फीस के बिना दी जाएगी”।

(4) नियम 181 के उप-नियम (3) में से निम्नलिखित शब्दों का लोप किया जाएगा, अर्थात् :—

“और ऐसा धारक उस अनुज्ञप्ति की बाबत केन्द्रीय सरकार को संदत्त या उसके पास जमा की गई धनराशि के प्रतिदय का दावा करने का हकदार भी नहीं होगा।”,

(5) परिशिष्ट अ में, (ii) नमूना प्ररूपों में,—

(i) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आवली सं. 3, 4, 5 और 8 के अधीन प्रत्येक प्ररूप में से पैरा 4 का लोप किया जाएगा;

(ii) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आवली सं. 6 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आवली सं. 6

रैंज

प्रमाण

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी के आदेश

पंख करने की तारीख

अधिकारी के आदेश

प्ररूप सं. एल. 4

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के अधीन माल के विनिर्माण के लिए
अनुज्ञप्ति के लिए आबेदन

(नियम 176)

(जो अक्षर और शब्द लागू न हों उन्हें काट दीजिए)

सेवा में,

..... केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

.....

यहोवर,

वै/हम

सुपुत्र

निवासी

तालुक/जिला

निवेदन करता हूँ/करते हैं कि मुझे/हमें

को प्त होने वाले पांच वर्ष के दौरान अनुसूची में विनिर्दिष्ट उत्पाद-शुल्क

के लिए

मोक्ष माल विनिर्माण के लिए

अनुज्ञप्ति अनुदत्त की जाए

संलग्न अनुज्ञप्ति का नवीकरण किया जाए

सेवा में

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

महोदय,

मैं/हम.....

सुपुत्र.....

निवासी

ताल्लुक/जिला

निवेदन करता हूँ/करते हैं कि
के विनिर्माण के लिए मुझे/हमें अनुज्ञप्ति मंजूर की जाए

को समाप्त होने वाले पांच वर्ष के दौरान अनुसूची में विनिर्दिष्ट उत्पाद-शुल्क-मात्र

संलग्न अनुज्ञप्ति को नवीकृत किया जाए ।

2. मैं/हम अनुसूची में उन परिसरों की विशिष्टियां घोषित करता हूँ/करते हैं जिनमें मैं/हम उक्त मास के विनिर्माण के लिए काह्यार करता हूँ/करते हैं ।

3. मैं/हम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के उपबन्धों और उनके अधीन जारी किए गए किन्हीं प्रादेशों तथा मंजूर/नवीकृत की जाने वाली अनुज्ञप्ति के निबन्धनों और शर्तों का पालन करने के लिए करार करता हूँ/करते हैं ।

4. मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि ऐसी कोई उत्पाद-शुल्क अनुज्ञप्ति, जो इससे पूर्व मैं/हम धारण कर रहा था/कर रहे थे उक्त अनुज्ञप्ति को मंजूरी को प्राप्त करने वाले अधिनियम और/या नियमों के भंग के कारण प्रतिसंहत या निलंबित नहीं की गई है या नवीकरण किए जाने से इंकार नहीं की गई है ।

5. मैं/हम अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार घोषित करता हूँ/करते हैं कि इसमें की गई सूचना सत्य और पूर्ण है ।

स्थान :

तारीख :

आवेदक (आवेदकों) के हस्ताक्षर

अनुसूची

भाग 1

क्रम सं.

शीर्ष/उपशीर्ष सं. जिसके अधीन उत्पाद-शुल्क्य माल वर्गीकृत है

उत्पाद-शुल्क्य मास का वर्णन

टिप्पण : उत्पाद-शुल्क्य मास का वर्णन देते समय ऐसे मास के विस्तृत व्यौरे देना आवश्यक नहीं है ।

भाग 2

1. कारखाने के रूप में उपयोग

किए जाने के लिए प्राशयित

परिसरों का संक्षिप्त वर्णन (सीमाओं सहित)

2. कारखाने के प्रत्येक मुख्य
प्रभाग या उप-प्रभाग का वर्णन
3. भण्डारण के लिए भण्डार-कक्ष
या अन्य स्थान

टिप्पण: दियासलाईयों के विनिर्माण की अनुज्ञप्ति के लिए आवेदक को यह भी उल्लेख करना चाहिए कि वह स्पलिट, बिनीयर (और दियासलाई-सिरों के सम्मिश्रण) का भी विनिर्माण करना चाहता है या नहीं और यदि वह ऐसा चाहता है तो क्या ऐसे स्पलिट, बिनीयर (और दियासलाई-सिरों के सम्मिश्रण) उसके अपने कारखाने मात्र में उपयोग के लिए है या उसका कोई भाग अन्य अनुज्ञप्त विनिर्माताओं को विक्रय के लिए भी है।

(3) केंद्रीय उत्पाद-शुल्क आवली सं. 7 के अधीन प्ररूप में पैरा 3 का लोप किया जाएगा,

(4) केंद्रीय उत्पाद-शुल्क आवली सं. 9, 10, 11, 12, 13 और 16 के अधीन प्रत्येक प्ररूप में, "और विहित अनुज्ञप्ति फीस संवत् करके", शब्दों का लोप किया जाएगा;

(5) केंद्रीय उत्पाद-शुल्क आवली सं. 14 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"केंद्रीय उत्पाद-शुल्क आवली सं. 14

रेंज

प्रभाग

प्ररूप एन-4

उत्पाद-शुल्क माल के विनिर्माण के लिए केंद्रीय उत्पाद-शुल्क

नियम, 1944 के अधीन अनुज्ञप्ति

(नियम 174 और 178)

(जो अक्षर और शब्द लागू न हो उन्हें काट दीजिए)

श्री/सर्वश्री.....

..... ने केंद्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 और उसके अधीन जारी किए गए किसी आदेश में विहित शर्तों का पालन करने का वचन दिया है। अतः उसे/उन्हें..... को समाप्त होने वाले पांच वर्ष के दौरान इस अनुज्ञप्ति की अनुसूची में विनिर्दिष्ट उत्पाद-शुल्क माल का विनिर्माण करने के लिए अनुज्ञप्ति हेतु आवेदन में यथा वर्णित और अवस्थित परिचरों में इन नियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, प्राधिकृत किया जाता है।

2. इस अनुज्ञप्ति द्वारा प्रदत्त विशेषाधिकार केवल अनुसूची में विनिर्दिष्ट उत्पाद-शुल्क माल के विनिर्माण तक ही सीमित होगा।

3. अनुज्ञप्ति में कोई भी संशोधन तब तक विधिमान्य नहीं होगा जब तक कि अनुज्ञापन प्राधिकारी से अन्यून रैंक के किसी केंद्रीय उत्पाद-शुल्क अधिकारी द्वारा ऐसा आदेश और अनुप्रमाणन नहीं कर दिया जाए।

4. यह अनुज्ञप्ति प्रतिसंहत या निलंबित की जा सकती है या उसे नवीकृत करने से इन्कार किया जा सकता है यदि उसके लिए किए गए आवेदन में कोई भी धोखा या दी गई कोई जानकारी मिथ्या पाई जाती है या ऐसे आवेदन में दिए गए किसी वचन का पालन नहीं किया जाता है।

5. इस अनुज्ञप्ति की मंजूरी से अनुज्ञप्त कारबार या अनुज्ञप्त परिसरों पर किन्हीं व्यक्तियों के अधिकारों पर, जिनका कि ऐसा व्यक्ति विधिपूर्ण रूप से हकदार है, कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अनुसूची

क्रम सं.	शीर्ष/उपशीर्ष सं. जिसके अन्तर्गत उत्पाद-शुल्क माल वर्गीकृत है	उत्पाद-शुल्क मास का वर्णन
----------	---	---------------------------

टिप्पण: उत्पाद-शुल्क माल का वर्णन बते समय ऐसे मास के विस्तृत व्यंजना आवश्यक नहीं हैं।

स्थान:

तारीख

(अनुज्ञापन प्राधिकारी)

नियुक्ति का नवीकरण

नवीकरण की तारीख

नवीकरण का वर्ष (नवीकरण)

प्राधिकारी के हस्ताक्षर

टिप्पण: 1. उत्पाद-शुल्क तम्बाकू उत्पादों के विनिर्माण के संबंध में, उत्पाद-शुल्क तम्बाकू उत्पादों में संपरिवर्तन के लिए अधिपतित तम्बाकू पत्ती, संसाधित या असंसाधित तम्बाकू, तम्बाकू की कोई विनिर्मित या निर्माण के क्रम के लिए तम्बाकू में थोक-व्यापार करने के लिए एक पृथक अनुज्ञप्ति आवश्यक है।

2. दियासलाई के विनिर्माण के लिए अनुज्ञप्ति, अनुज्ञप्तिधारी को स्पॉलिट विनोचर (और दियासलाई सिरों के लिए सम्मिश्रण) के विनिर्माण के लिए भी, चाहे वह उसके अपने उपयोग के लिए हो या किसी अन्य अनुज्ञप्ति विनिर्माता को विक्रय के लिए हो, प्राधिकृत करती है।";

(vi) केंद्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम सं. 15 के अन्तर्गत प्रकरण में "जिन्होंने विहित अनुज्ञप्ति—कोस संदत्त कर दी हो" शब्दों का लोप किया जाएगा।

[फा. सं. 213/4/81-के. उ. सु.-6]

ए. के. प्रसाद, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 3rd April, 1986

NOTIFICATION

No. 244/86-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 579(B).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules, further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (7th Amendment) Rules, 1986.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Excise Rules, 1944,—

(1) in rule 174, for the existing second, third and fourth proviso, the following provisos shall be substituted, namely:—

"Provided further that manufacturer, other than—

(a) a manufacturer who has been refused a licence at any earlier occasion for the same goods;

(b) a manufacturer of tobacco products; and

(c) a manufacturer of matches and composition of match-heads,

who makes an application under rule 176 for the grant or renewal of a licence for the conduct of the business which requires the possession of a licence under these rules, may conduct his business, after having obtained an acknowledgment from the proper officer as proof submission of his said application, until the licence applied for has been refused;

Provided also that the proper officer shall either grant or refuse the licence in accordance with the provisions of these rules within a period of sixty days from the date of receipt of the said application, and if the refusal of the licence applied for is not communicated to the manufacturer within the said period of sixty days, the licence applied for shall be deemed to have been granted."

(2) in rule 176,—

(i) in sub-rule (1), the following proviso shall be inserted at the end, namely:—

"Provided that the Central Board of Excise and Customs may, if it is satisfied that it is necessary or expedient so to do, by a general or special order and subject to such conditions and limitations as may be specified in such order,—

(a) allow a person or a class of persons to make the application in such form as may be specified in the order,

(b) extend the said period of one month to such period as may be specified in the order."

(ii) sub-rule (2) shall be omitted;

(3) in rule 178, in sub-rule (3), the words "but it shall be granted free of fee for the residuary of the period covered by the original licence" shall be omitted;

- (4) in rule 181, in sub-rule (3), the words "nor shall such holder be entitled to claim a refund of duty on the deposit made with the Central Government in respect of the licence" shall be omitted;
- (5) in Appendix I, in (II) Specimen Forms,—
- (i) in each of the Forms under Central Excise Series Nos 3, 4, 5 and 8 paragraph 4 shall be omitted.
- (ii) for Central Excise Series No. 6, the following shall be substituted, namely :—
- "Central Excise Series No. 6

Range

Division

Initial of the Central Excise Officer.

Date of the Punching

Initial of officer

FORM A.L. — 4

Application for licence under the Central Excise Rules, 1944 to manufacture goods.

(Rule 176)

(Delete the letters and words not applicable)

To

..... Central Excise
.....

Sir,

I/We.....son of.....residing at.....
taluk/district.....request that I/We may be granted a licence to manufacture the excisable goods
the accompanying
specified in the Schedule during the five years ending.....
may be renewed for

2. I/We hereby declare particulars in the Schedule of the premises where I/We carry on business for the manufacture of such goods.

3. I/We agree to abide by the provisions of the provisions of the Central Excise Rules, 1944, and any orders issued there under and the terms and conditions of licence which may be granted/renewed.

4. I/we hereby declare that no excise licence previously held by me/us has been revoked or suspected or has failed to be renewed owing to the breach of the Act and/or rules governing the grant of such licence.

5. I/We declare that to the best of my/our knowledge and belief the information furnished herein is true and complete.

Place :

Date :

Signature(s) of the applicant(s)

SCHEDULE

PART I

S. No.	Heading/Sub-heading No. under which the excisable goods are classified.	Description of excisable goods
--------	---	--------------------------------

Note : In giving description of the excisable goods it is not necessary to give the detailed specification of such goods

PART II

1. Brief description (with boundaries of the premises intended to be used as factory)
2. Description of each main division or sub-division of the factory
3. Store-room or other place of storage

Note . An applicant for a licence to manufacture matches should state whether he wishes also to manufacture splints, veneers (and composition for match heads) and, if so, whether such splints, veneers (and composition for match heads) are solely for use in his own factory or whether any portion is to be sold to other licensed manufacturer.

(iii) in the Form under Central Excise Series No. 7, paragraph 3 shall be omitted;

(iv) in each of the Forms under Central Excise Series Nos. 9, 10, 11, 12, 13 and 16, the words "and having paid the prescribed licence fee", shall be omitted;

(v) for Central Excise Series No. 14, the following shall be substituted, namely :—

"Central Excise Series No. 14.

Range

Division

FORM L-4

Licence under the Central Excise Rules, 1944, to manufacture excisable goods

(RULE 174 and 178)

(Delete the letters and words not applicable)

Mr./Messrs. of having undertaken to comply with the conditions prescribed in the Central Excise Rules, 1944, and any order issued hereunder is/are hereby authorised to manufacture the excisable goods, specified in the Schedule to this licence, during the five years ending, in the situation and description of premises as described in the application for licence, subject to the provisions of these rules.

2. The privilege conferred by this licence extent only to the manufacture of excisable goods specified in the Schedule.

3. No corrections in this licence will be valid unless ordered and attested by a Central Excise Officer not lower in rank other than the licensing authority.

4. This licence may be revoked or suspended or its renewal may be refused, if any declaration made or information given in the application therefore is found to be false or if any undertaking given in such application is not carried out.

5. The grant of this licence shall be without prejudice to the rights of any persons over the licensed business or the licensed premises to which such person may be lawful entitled.

SCHEDULE

Sl No.	Heading/sub-heading No. under which the excisable goods are classified.	Description of excisable goods
--------	---	--------------------------------

Note : In giving description of the excisable goods it is not necessary to give the detailed specification of such goods.

Place

Date

(Licensing authority)

Renewal of the licence

Date of renewal	Year for which renewed	Signature of the (renewing) authority
-----------------	------------------------	---------------------------------------

Notes. 1. In respect of manufacturers of excisable tobacco products a separate licence to carry on wholesale trade in tobacco is necessary for buying tobacco leaf, cured or uncured or any preparation or mixture of tobacco (not being manufactured tobacco) intended for conversion into excisable tobacco products.

2. A licence for the manufacture of matches authoritises the licensee to manufacture splint, veneers (and composition for match heads) whether for his own use or for sale to another licensed manufacturer."

(vi) in the Form under Central Excise Series No. 15, the words "who have paid the prescribed licence fee" shall be omitted.

[F. No. 213/4/86-CX.6]

A. K. PRASAD, Under Secy.
